

सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के [सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य](#) के जंगलों में लगी आग से वन्यजीवों के अस्तित्व पर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

मुख्य बंदि

■ अभयारण्य के बारे में:

- यह अभयारण्य राजस्थान के उदयपुर ज़िले में [अरावली पर्वतमाला](#) में स्थित है, जो अपनी समृद्ध [जैवविविधता](#) और ऐतिहासिक सज्जनगढ़ पैलेस के लिये प्रसिद्ध है।
- यह अभयारण्य 5.19 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और इसकी सुरक्षा के लिये कश्मिण पोल नामक चट्टानी दीवार बनाई गई थी।
- वन्यजीव और वनस्पति
 - यह अभयारण्य चीतल, [पेंथर](#), नीलगाय, सयार, जंगली सूअर, लकड़बग्घा और सांभर सहित कई वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास है।
 - इसके अलावा यहाँ पक्षियों और सरीसृपों की भी एक वसितृत शृंखला पाई जाती है।
- जयान झील
 - यहाँ स्थित [जयान झील](#) (जसि टाइगर झील या बारी झील भी कहा जाता है) अभयारण्य के लिये जल संसाधन का कार्य करती है।
 - वर्ष 1664 में महाराणा राज सहि द्वारा नरिमति यह झील 1.25 वर्ग मील में फैली हुई है और इसकी जल भंडारण क्षमता 400 मिलियन क्यूबिक फीट है।
- ऐतिहासिक महत्त्व
 - यह वर्ष 1884 में नरिमति सज्जनगढ़ पैलेस (जसि मानसून पैलेस के नाम से भी जाना जाता है) का एक हसिस्सा है। महल का नाम मेवाड राजवंश के शासकों में से एक महाराणा सज्जन सहि के नाम पर रखा गया है।
 - वर्ष 1987 में इस क्षेत्र को वन्यजीव अभयारण्य में बदल दिया गया।

अरावली पर्वतमाला के बारे में:

■ परिचय:

- अरावली पर्वतमाला गुजरात से राजस्थान होते हुए दलिली तक वसितृत है जसिकी लंबाई 692 कमी. है और चौड़ाई 10 से 120 कमी. के बीच है।
 - यह पर्वतमाला एक प्राकृतिक हरति दीवार (green wall) के रूप में कार्य करती है, जसिका 80% हसिस्सा राजस्थान में और 20% हरयाणा, दलिली और गुजरात में स्थित है।
- अरावली पर्वतमाला दो मुख्य पर्वतमालाओं में वभिाजति है - राजस्थान में सांभर सरिही पर्वतमाला और सांभर [खेतडी](#) पर्वतमाला, जहाँ इनका वसितार लगभग 560 कमी. है।
- यह थार रेगसितान और [गंगा के मैदान](#) के बीच एक इकोटोन के रूप में कार्य करती है।
 - इकोटोन वे क्षेत्र हैं, जहाँ दो या दो से अधिक पारसिथितिकी तंत्र, जैविक समुदाय या जैविक क्षेत्र मलिते हैं।
- इस पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी गुरुशखिर (राजस्थान) है, जसिकी ऊँचाई 1,722 मीटर है।

